भारत सरकार
संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 991
उत्तर देने की तारीख 10.02.2025

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए योजना

991. श्री जिया उर रहमान :

क्या संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार द्वारा भारत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित करने के लिए कोई योजना बनाई गई है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री
(गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): पूरे विश्व में भारतीय कला और संस्कृति के प्रसार के लिए संस्कृति मंत्रालय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों (सीईपी) पर हस्ताक्षर करता है ताकि भारत के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किया जा सके। ये सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम भारत की उदार सत्ता (सॉफ्ट पावर) को बढ़ावा देते हैं ताकि अन्य देशों के साथ भारत के अंतर-सांस्कृतिक संबंधों को विकसित और सुदृढ़ किया जा सके। ये सीईपी संगीत और नृत्य, रंगमंच, संग्रहालय एवं विज्ञान संग्रहालय, पुस्तकालय, अभिलेखागार, ऐतिहासिक स्मारकों और पुरातात्विक स्थलों की सुरक्षा और संरक्षण, साहित्य, अनुसंधान और प्रलेखन, महोत्सव आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में अन्य देशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाते हैं।

संस्कृति मंत्रालय द्वारा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देने और वैश्विक क्षेत्र में अनुकूल रूप से भारत की छवि को संवर्धित करने के लिए "वैश्विक भागीदारी स्कीम" नामक स्कीम कार्यान्वित की जाती है। इस स्कीम का उद्देश्य भारतीय कला रूपों में अभ्यासरत कलाकारों को 'भारत महोत्सव' के बैनर के तहत विदेशों में प्रस्तुति देने का अवसर प्रदान करना है। इस स्कीम के तहत, लोक संगीत, लोक नृत्य, लोक रंगमंच और

कठपुतलीकला, शास्त्रीय और पारंपरिक नृत्य, प्रयोगात्मक/समकालीन नृत्य, शास्त्रीय/अर्धशास्त्रीय संगीत, रंगमंच आदि जैसे विविध सांस्कृतिक क्षेत्रों के कलाकार विदेशों में 'भारत महोत्सव' में प्रस्तुतीकरण देते हैं। संस्कृति मंत्रालय ने विदेश में आयोजित भारत महोत्सवों में प्रस्तुति देने के लिए विभिन्न कला रूपों के तहत 627 कलाकारों/समूहों को पैनलबद्ध किया है।

इसके अतिरिक्त, संस्कृति मंत्रालय विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और कार्यकलापों के आयोजन हेतु विदेशों में भारत-विदेश मैत्री सांस्कृतिक सोसाइटियों को सहायता अनुदान के माध्यम से भारतीय लोक कला, संस्कृति और संगीत को बढ़ावा देता है।

विदेश मंत्रालय की 'डायस्पोरा के साथ सांस्कृतिक संबंधों का संवर्धन (पीसीटीडी)' नामक योजना है जिसके अंतर्गत भारतीय मिशनों/पोस्ट को सीमित धनराशि प्रदान की जाती है ताकि विदेशों में बसे भारतीय डायस्पोरा को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके जिससे वे अपने मूल से जुड़ सकें। इस योजना का उद्देश्य भारत और उसके डायस्पोरा के बीच सांस्कृतिक संबंधों को विकसित और सुदृढ़ करना तथा भारतीय मूल के व्यक्तियों की सांस्कृतिक पहचान को पुनः प्रबलित करना है।

विदेश मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संगठन, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) विदेशों में स्थित अपने सांस्कृतिक केंद्रों और मिशनों/केंद्रों के माध्यम से विश्व भर में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देता है। उनके द्वारा संचालित कार्यकलापों में अन्य बातों के साथ-साथ योग, नृत्य, संगीत (गायन और वाद्य), संस्कृत और हिंदी का शिक्षण; भारतीय संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं का आयोजन/सहयोग करना; विदेशी विश्वविद्यालयों में भारतीय अध्ययन पीठों का सहयोग करना; महात्मा गांधी और अन्य राष्ट्रीय हस्तियों की आवक्ष प्रतिमाओं/प्रतिमाओं को भेंट स्वरूप प्रदान करना, दृश्य कला प्रदर्शनियों का आदान-प्रदान करना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, आयुर्वेद दिवस और भारतीय पर्वों को मनाना, भारतीय फिल्मों को बढ़ावा देना, विभिन्न आगंतुक कार्यक्रमों (शैक्षणिक/प्रतिष्ठित/महत्वपूर्ण/जेन नेक्स्ट डेमोक्रेसी नेटवर्क) के तहत आगंतुकों की मेजबानी करना और विभिन्न छात्रवृत्ति स्कीमों के अंतर्गत विदेशी छात्रों के लिए छात्रवृत्तियां प्रायोजित करना शामिल है। आईसीसीआर ने अलग-अलग देशों की संस्कृति को विदेश में बढ़ावा देने और विदेशों के साथ सांस्कृतिक आदान-प्रदानों को सुविधाजनक बनाने हेतु विभिन्न देशों की सरकारों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी किए हैं। आईसीसीआर आने वाली विदेशी सांस्कृतिक मंडलियों की मेजबानी भी करता है ताकि भारतीयों को अलग-अलग देशों के बारे में अवगत कराया जा सके।

राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने और लोक कला एवं संस्कृति के विभिन्न रूपों के संरक्षण, परिरक्षण और संवर्धन के लिए भारत सरकार ने सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्र (जेडसीसी) स्थापित किए हैं जिनके मुख्यालय पटियाला, नागपुर, उदयपुर, प्रयागराज, कोलकाता, दीमापुर और तंजावुर में स्थित हैं। ये जेडसीसी देश भर में शिल्पग्राम उत्सव, ऑरेंज सिटी क्राफ्ट मेला, ऑक्टेव-पूर्वोत्तर महोत्सव, सलंगई नादम,

गीता जयंती महोत्सव, नेशनल क्राफ्ट फेयर, राष्ट्रीय शिल्प मेला, फेट-डी-पुदुचेरी, चंडीगढ़ राष्ट्रीय शिल्प मेला, सिंधु दर्शन महोत्सव, पूर्वांचलिया लोक महोत्सव आदि जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यकलापों और कार्यक्रमों का नियमित आधार पर आयोजन करते हैं।

इसके अलावा, संस्कृति मंत्रालय देश में राष्ट्रीय संस्कृति महोत्सव (आरएसएम) भी आयोजित करता है और 2015 से अब तक, मंत्रालय ने अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों (जेडसीसी) के माध्यम से 14 आरएसएम और 04 क्षेत्रीय स्तर के आरएसएम आयोजित किए हैं। इन आरएसएम का उद्देश्य भारत की सांस्कृतिक विविधता को एक साथ लाना है और इन कार्यक्रमों के दौरान बड़ी संख्या में भारत भर से आए कलाकारों को उनकी प्रतिभाएं प्रदर्शित करने हेतु प्रभावशाली मंच प्रदान करते हुए युवा पीढ़ी को उनके मूल से पुन: जोड़ने के साथ-साथ उन्हें देश की सांस्कृतिक धरोहर और प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों के बारे में जागरूक करना भी है।

*****